www.ryseninternationalschool.com

RYSEN TIMES

@rysen_group_of_schools | @rysengroupofschools | @rysengroupofschools

ISSUE 02 | 2 PAGES

Solve the Code, Win Exciting Gifts
- Page 2

RISE TO SUCCESS

SEASON OF INNOVATION AT RYSEN GROUP OF SCHOOLS

5,000+ Attendees at JOSH 2.0

Rysen School, Virat Nagar, Bikaner hosted a mega-celebration of ambition, talent, and culture, setting a new benchmark for school festivals in the region.

03 New Campuses Launched

The Rysen ecosystem is growing!
We proudly launched new future-ready schools in **Pilibanga, Sri Vijaynagar** and a Pre-School in **Sri Ganganagar.**

03 Cities, One Vision

Our '**Junior Talent Fest**' empowered parents and mothers across **Nimbahera, Sri Ganganagar and Deoli**, proving that true education is a partnership between school and home.

Rhythmo 1.0 & Rysen Udaan

From the cultural brilliance of **Rhythmo 1.0 in Bikaner** to the intense athletic grit shown at the **Rysen Udaan - Junior Sports Meet in Nimbahera**, our Rysenators proved they dominate both the stage and the field.

Upcoming Events

- **JOSH Fest –** Rysen School, Nimbahera
- **JOSH Fest –** Iconic Public School (Managed by Rysen Group), Sri Vijaynagar
- **JOSH Fest –** S M Public School (Managed by Rysen Group), Jaisalmer
- **Innovation Fest –** MLZS (Managed by Rysen Group), Udaipur

अब केवल "कड़ी मेहनत" और रटना काफी नहीं:

CBSE की नई 'कम्पेटेंसी परीक्षाओं' का सच

यह बोर्ड परीक्षाओं का मौसम है। प्रदेश और देश भर में लाखों बच्चे दिन-रात एक कर रहे हैं। पीढ़ियों से, माता-पिता के रूप में हम सफलता का एक ही मंत्र जानते थे: किताब रट लो, पिछले 4-5 सालों के पेपर हल कर लो और साफ-साफ लिख आओ।

लेकिन अगर आपने इस फरवरी और मार्च में हुए कक्षा 10वीं और 12वीं के CBSE प्रश्न पत्रों को देखा है, तो आपको एक बड़ा बदलाव नजर आएगा। रटने की पुरानी आदत अब काम नहीं आ रही है। क्यों? क्योंकि CBSE ने "कम्पेटेंसी-बेस्ड (क्षमता आधारित) प्रश्नों" के साथ परीक्षा के नियम पूरी तरह से बदल दिए हैं।

आखिर बदला क्या है?

कल्पना कीजिए कि आप एक बच्चे को साइकिल चलाना सिखा रहे हैं। पुरानी परीक्षा प्रणाली केवल यह पूछती थी, "साइकिल के पुर्जे कौन से हैं?" एक छात्र किताब से उत्तर रटकर और बिना साइकिल चलाए पूरे अंक ला सकता था।

नई प्रणाली पूछती है, "अगर सड़क कीचड़ वाली और ढलान वाली है, तो आप साइकिल को सुरक्षित चलाने के लिए ब्रेक और पैडल का उपयोग कैसे करेंगे?"

यह सिर्फ याददाश्त नहीं, बल्कि असली समझ को परखता है। विज्ञान के पेपर में अब सीधे "प्रकाश संश्लेषण (Photosynthesis) क्या है?" पूछने के बजाय पूछा जाता है, "अगर कोई फैक्ट्री खेत के पास गाढ़ा काला धुआं छोड़ती है, तो फसलें कैसे और क्यों उगना बंद कर देंगी?"

अगर आपका बच्चा अभी भी अपनी मेहनत को इस बात से नाप रहा है कि उसने कितने पन्ने रटे हैं, तो ये नई परीक्षाएं उसे एक बड़ा झटका लग सकती हैं।

घर पर आप कैसे मदद कर सकते हैं?

"क्या" की बजाय "क्यों" पूछें: जब आपका बच्चा कोई अध्याय (chapter) पढ़ ले, तो उससे किताब की रटी हुई लाइनें न पूछें। उससे कहें कि वह आपको मुख्य बात एक कहानी की तरह, रोज़मर्रा की ज़िंदगी का उदाहरण देकर समझाए। अगर वे इसे आसान शब्दों में समझा सकते हैं, तो इसका मतलब है कि वे इसे सच में समझ गए हैं।

केस-स्टडी (Case-Study) अभ्यास पर ध्यान दें: हाल की बोर्ड परीक्षाओं में छोटी कहानियों, आंकड़ों या असल जिंदगी के उदाहरणों पर आधारित कई सवाल थे। ऐसी अभ्यास पुस्तकें (Practice books) खरीदें जिनमें इन केस-स्टडी पर ज्यादा जोर हो। इससे बच्चों को ध्यान से पढ़ने, शांत दिमाग से सोचने और अनजान सवाल देखकर घबराने के बजाय समस्या को सुलझाने की आदत पड़ती है।

सिर्फ नंबरों की नहीं, समझ की तारीफ करें: हम सभी चाहते हैं कि हमारे बच्चों के अच्छे नंबर आएं। लेकिन अत्यधिक दबाव बच्चों को रटने पर मजबूर करता है, क्योंकि यह उन्हें आसान रास्ता लगता है। जब आपका बच्चा किसी मुश्किल सवाल को खुद हल करने का तरीका ढूंढ ले, तो उसकी तारीफ करें। जो बच्चा "कैसे" और "क्यों" जानता है, वह बोर्ड के किसी भी घुमावदार सवाल को आसानी से हल कर सकता है।

इन नई परीक्षाओं का असली मकसद हमारे छात्रों को फेल करना नहीं है, बल्कि उन्हें एक तेज और स्वतंत्र विचारक बनाना है जो असली दुनिया के लिए तैयार हो। घर पर उनसे पूछे जाने वाले सवालों में बदलाव करके, हम उन्हें सफलता के असली उपकरण दे रहे हैं।

PARENTS' CORNER

The Joy of Watching Children Grow

Jaya & Harsh

(Parents of Priyansh Jain , Class 3, Rysen School, Sri Ganganagar)

As parents, one of the most meaningful experiences is watching how children gradually discover their confidence and curiosity. Often, these changes happen quietly—through everyday classroom experiences, small opportunities to speak up, and the freedom to explore ideas.

Over the past year, we noticed this in our son, Priyansh, particularly in the way he began expressing himself more comfortably in public speaking activities. Seeing him move from hesitation to sharing his thoughts with confidence reminded us how important it is for children to feel encouraged to participate and be heard.

Another interesting change has been his growing curiosity about experiments and robotics. Like many children, he now enjoys figuring out how things work. Even at home, if a toy or gadget stops working, he tries to open it and understand the mechanism before putting it back together. Moments like these show how naturally children develop analytical thinking when they are allowed to explore.

For us as parents, these experiences highlight something important: learning is not limited to textbooks. It is equally about confidence, curiosity, and the ability to ask questions. Watching children grow in these small but meaningful ways is perhaps the most rewarding part of the learning journey.

NATIONAL SPOTLIGHT

Watch how we are redefining education in Tier 2/3/4 cities of India on the acclaimed docuseries Rising Bharat on JioHotstar

Season 1 Episode 13

SOLVE AND WIN

This lock has a 3 digit code
Can you crack it using only these hints?

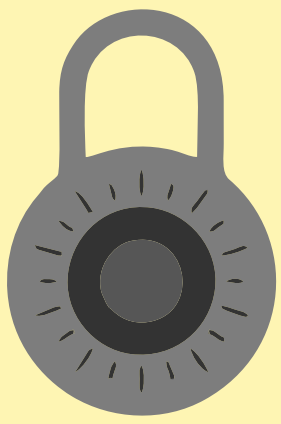

6	8	2	One number is correct and in the right place
6	1	4	One number is correct but in the wrong place
2	0	6	Two numbers are correct but in the wrong place
7	3	8	Nothing is correct
7	8	0	One number is correct but in the wrong place

CODE

HOW TO WIN

1. Solve the code and upload the photo on your instagram story.
2. Tag @rysen_group_of_schools
3. Five lucky participants will be selected to receive a special gift hamper from Rysen Group of Schools.

Winners of Previous Edition

- Tanisha Gupta - Sri Ganganagar
- Harshita Banged - Nimbahera
- Sanju Kunwar - Chittaurgarh
- Mansavi Jindal - Pilibanga
- Ishrat Bano - Nimbahera

Winners will be announced on Rysen's Official Instagram Page on last day of the month. Stay tuned and follow the page for updates.

21वीं सदी के बच्चे।

20वीं सदी के टीचर।

19वीं सदी का सिलेबस।

18वीं सदी के तरीके।

Campus 1

RYSEN SCHOOL
SRI GANGANAGAR

(Lav Kush Model School, Padampur Rd, near 5A Gurudwara, Sri Ganganagar)

Campus 2

RYSEN PRESCHOOL
SRI GANGANAGAR

(8H-1, Jawahar Nagar, Sri Ganganagar)

आप अपने फोन को हर साल बदलते हैं, लेकिन आपके बच्चे का पढ़ने का तरीका आज भी दशकों पुराना है।

यह बदलने का समय है।

Rysen में, हम रट्टा नहीं लगवाते, बच्चो को कल का इनोवेटर बनाते हैं।

Admissions Open
2026-27

RYSEN GROUP OF SCHOOLS | India's Top FUTURISTIC Schools

Run by IITians & Doctors

To Book School Visit: 9257112845

15+ Campuses | 10,000+ Students